रांची, २६ अप्रैल, २०१४

आज

मेघालय से आये दल को समेति निदेशक ने दी कई जानकारी

समेति निदेशक जटाशंकर चौधरी के साथ मेघालय से आया दल।

रांची। मेघालय से आये दस सदस्यीय दल को शुक्रवार को समेति सभागर में समेति निदेशक जटाशंकर चौधरी ने झारखण्ड में समेति व आत्मा क्या कर रहा है, की विस्तार से जानकारी दी। इस क्रम में मेघालय के दल ने स्पष्ट किया कि झारखण्ड में अच्छा काम हुआ है और मेघालय के तकनीकी पदाधिकारी एवं किसान यहां आकर क्षेत्र भ्रमण करेंगे ताकि इसका लाभ मेघालय को प्राप्त हो सके। इस दौरान संकाय सदस्य मनोज कवि, अभिषेक तिर्की, मास के प्रबंध निदेशक, सिटीजन फॉउण्डेशन के प्रतिनिधि रांची व खूंटी के उप परियोजना निदेशक सहित कई लोग मौजूद थे। इसके पूर्व मेघालय से आये दल ने लोहरदगा जिले के कुडू में किसानों से मुलाकात की और सब्जी फसल को देखा। तत्पश्चात खूंटी में आत्मा के परियोजना निदेशक से मुलाकात की एवं इन्टीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम मॉडल को देखा। इस मॉडल में कृषि, पशुपालन, बागवानी, बर्मीकम्पोस्ट एवं लाह आदि शामिल हैं। मालूम हो कि 23 अप्रैल को मेघालय से आये इस दल ने राज्य के विभिन्न जिलों दौरा किया। मेघालय से आये 11 सदस्यीय दल का नेतृत्व ईस्ट खासी हिल, आत्मा के परियोजना निदेशक एस थैंक्यू ने किया। इस दल में कृषि व बागवानी पदाधिकारी के अलावा वैज्ञानिक शामिल थे।

रांची, 26 अप्रेल 2014 दैनिक जागरण

कृषि वैज्ञानिकों की टीम पहुंची

चान्हो : मेघालय से आई कृषि वैज्ञानिकों की तीन सदस्यीय टीम ने शुक्रवार को पतरातु गांव का दौरा किया। दौरे के क्रम में उन्होंने यहां विभिन्न प्रकार की सब्जी की खेती तथा आत्मा रांची द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम का अवलोकन किया। साथ ही किसानों से बात कर उन्नत तरीके से सब्जियों की खेती पर खुशी जाहिर की। कृषि वैज्ञानिकों की टीम चार दिवसीय दौरे पर झारखंड आई है।

प्रभात खबर

रांची, शनिवार, 26 अप्रैल, 2014
www.prabhatkhabar.com

कृषि वैज्ञानिकों का पतरातू दौरा

फसल उत्पादन की जानकारी लेते टीम के सदस्य. ■ फोटो। प्रभात खबर

चान्हो. मेघालय से आयी कृषि वैज्ञानिकों की तीन सदस्यीय टीम ने शुक्रवार को चान्हो प्रखंड के पतरातू गांव का दौरा किया. दौरे के क्रम में उन्होंने यहां विभिन्न प्रकार की सब्जी की खेती तथा आत्मा रांची द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम का अवलोकन किया.

टीम के सदस्यों ने किसानों से बातचीत कर उन्नत तरीके से की गयी सब्जियों की खेती पर खुशी जाहिर की. कृषि वैज्ञानिकों की टीम चार दिवसीय दौरे पर झारखंड आयी है. मौके पर समेति झारखंड के संकाय सदस्य मनोज कवि, बीटीएम बिंदु कुजूर, मोहन कुमार, विजय कुमार, सुरेश महतो व चंद्रशेखर प्रसाद सहित किसान मित्र आदि मौजूद थे.

3 हिन्दुस्तान
रांची • गुरुवार • 24 अप्रैल 2014

किसानों से रू-ब-रू हुई मेघालय की टीम

झारखंड पहुंची मेघालय की 11 सदस्यीय टीम।

रांची| वरीय संवाददाता

मेघालय की 11 सदस्यीय टीम झारखंड की खेती देखने के लिए 23 अप्रैल को आ गई। इसमें पांच पुरुष और छह महिला कृषि अफसर शामिल हैं। इसका नेतृत्व आत्मा (ईस्ट खासी हिल) के परियोजना निदेशक एस थैंक्यू कर रही हैं। आने के बाद सदस्य रामगढ़ के लिए रवाना हो गए। वहां किसानों से रू-ब-रू हुए। इस क्रम में रामगढ़ प्रखंड के मोरमाकला के किसान सुरेश महतो से मिले।

वह छह एकड़ में स्प्रींकलर विधि से कई तरह की फसल की खेती कर रहे हैं। इसके बाद सदस्य गोला प्रखंड के किसान विजय कुमार ओझा से मिले। उन्होंने भी इसी विधि से मिर्च की खेती की है। किसानों ने इसके लाभ के बारे में उन्हें बताया।

समेति (झारखंड) के निदेशक जटाशंकर चौधरी ने बताया कि टीम 26 अप्रैल तक रहेगी। इस दौरान टीम रांची, खूंटी, लोहरदगा जिलों में लागू की जा रही विभिन्न कार्यक्रमों को देखेगी। इसके अलावा 24 अप्रैल को भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान और हार्प, प्लांडु का दौरा भी करेगी।

एक्सटेंशन रिफोर्म्स परियोजना के तहत झारखंड में लागू किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में 25 अप्रैल की शाम चर्चा होगी।

आज

रांची, २४ अप्रैल, २०१४

मेघालय से आये कृषि पदाधिकारियों का दल रांची पहुंचा, रामगढ़ का भ्रमण किया

रांची। मेघालय राज्य के 11 सदस्यीय कृषि पदाधिकारियों का दल 23 अप्रैल को रांची पहुंचा। यह दल 26 अप्रैल तक झारखण्ड राज्य के विभिन्न जिलों का दौरा करेगा। दल में मेघालय राज्य के राज्यसमन्यवक, परियोजना निदेशक, आत्मा, कृषि एवं बागवानी पदाधिकारी एवं वैज्ञानिक शामिल हैं। यह दल झारखण्ड के रांची, खूंटी, लोहरदगा एवं रामगढ़ में कार्यान्वित हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों का क्षेत्र भ्रमण करेगा। 24 अप्रैल को भारतीय लाह अनुसंधान संस्थान एवं हार्प प्लाण्ड्र का भी भ्रमण करेगा। एक्सटेंशन रिफोर्म्स परियोजनान्तर्गत झारखण्ड राज्य में कार्यान्वित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में 25 अप्रैल को समेति सभागार में समेति निदेशक जटाशंकर चौधरी एवं संकाय सदस्यों से परिचर्चा किया जायेगा। मेघालय से आये दल का नेतृत्व ईस्ट खासी हिल, आत्मा के परियोजना निदेशक एस. थैन्क्यु कर रहे हैं।